

॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ शिनेर्नमासात्यकिः ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥

एवंब्रुवति सूतेतुतदानकरकेतुमान् ॥ उवाचसूतकौरव्यनिवर्त्तरथपुनः ॥ ११ ॥ दारुकालमजमैवंत्वंपुनः कार्षीः कथंचन ॥ व्यपयानंरणात्सौतेजीवतोममक
हिंचित् ॥ १२ ॥ नसदृष्णिकुलेजातोयवैत्यजतिसंगरं ॥ योवानिपतितंहतिवास्मीतिचवादिनं ॥ १३ ॥ तथास्त्रियंचयोहतिबालं दद्धतथैवच ॥ विरथंविप्र
कीर्णंचभग्नशस्त्रायुधंतथा ॥ १४ ॥ त्वंचसूतकुलेजातोविनीतः सूतकर्मणि ॥ धर्मज्ञश्चासिदृष्णीनामाहवेष्वपिदारुके ॥ १५ ॥ सजानंश्चरितंरुत्तंरुत्तंरुत्तंरुत्तं
तनामुखे ॥ अपयानंपुनः सौतेमैवंकार्षीः कथंचन ॥ १६ ॥ अपयातंहतंष्टुभ्रांतरंरणपलायितं ॥ गदाग्रजोदुराधर्षः किमांवक्ष्यतिमाधवः ॥ १७ ॥ केशवस्या
ग्रजोवापिनीलवासामदोक्तः ॥ किंवक्ष्यतिमहाबाहुर्बलदेवः समागतः ॥ १८ ॥ किंवक्ष्यतिशिनेर्नमानरसिंहोमहाधनुः ॥ अपयातंरणात्सूतसांवश्रसमिति
जयः ॥ १९ ॥ चारुदेणाश्चदुर्धर्षस्तथैवगदसारणौ ॥ अक्रूरश्चमहाबाहुः किमांवक्ष्यतिसारथे ॥ २० ॥ शूरंसंभावितंशांतंनित्यंपुरुषमानिनं ॥ स्त्रियश्चदृष्णिवी
राणां किमांवक्ष्यंतिसंहताः ॥ २१ ॥ प्रद्युम्नोयमुपायातिभीतस्यत्कामहाहव ॥ धिगेनमितिवक्ष्यंतितनुवक्ष्यंतिसाध्विति ॥ २२ ॥ धिग्वाचापरिहासोपिममवा
मद्विधस्यवा ॥ मृत्युनाभ्यधिकः सौतेसत्वंमाव्यपयाः पुनः ॥ २३ ॥ भारंहिमयिसंन्यस्ययातोमधुनिहाहरिः ॥ यज्ञंभारतसिंहस्यनहिशक्येधमर्षितुं ॥ २४ ॥ कृत
वर्माभ्यावीरोनिर्यास्यन्नेववारितः ॥ शाल्वंनिवारयिष्येहंतिष्ठत्वमितिसूतज ॥ २५ ॥ सचसंभावयन्मवैनिवृत्तोहृदिकालमजः ॥ तंसमेत्यरणंत्यत्काकिंवक्ष्या
मिमहारथं ॥ २६ ॥ उपयातंदुराधर्षंशखचक्रगदाधरं ॥ पुरुषंपुंडरीकाक्षंकिंवक्ष्यामिमहाभुजं ॥ २७ ॥ सात्यकिंबलदेवंचयेचान्येधकवृष्णयः ॥ मयास्पर्धे
तिसततं किंनुवक्ष्यामितानहं ॥ २८ ॥ त्यक्कारणमिमंसौतेष्टुतोभ्याहतः शरैः ॥ त्वयापनीतोविवशोनजीवेयंकथंचन ॥ २९ ॥ सनिवर्त्तरथेनाशुपुनदर्शकनं
दन ॥ नचैतदेवंकर्त्तव्यमथापत्सुकथंचन ॥ ३० ॥ नजीवितमहंसौतेबहुमन्येकथंचन ॥ अपयातोराणाद्भीतः षष्ठतोभ्याहतः शरैः ॥ ३१ ॥ कदापिसूतपुत्रत्वंजा
नीषेमांभयार्दितं ॥ अपयातंरणंहित्वायथाकापुरुषंतथा ॥ ३२ ॥ नयुक्तंभवतात्यक्तुंसंभ्रामंदारुकालमज ॥ मयियुद्धार्थिनिभृशंसत्वंयाहियतोरणं ॥ ३३ ॥ इ
तिश्रीमहाभारतेआरण्यकेपर्वणिअर्जुनाभिगमनपर्वणि सौभवधोपाख्यानेऽष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

॥ ३३ ॥ इत्यारण्यकेपर्वणिनैलकंठीयेभारतमावदीपेअष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥